आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566   डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11   अंक : 45   लखनऊ, रविवार 07 माच से 13 मार्च, 2021 तक   पृष्ठ–8   मूल्य : एक रूपया

किसानों को सीएम ने दिया हर संभव सहयोग का आश्वासन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग अलग खाप पंचायतों के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की और अपनी समस्यायें बताईं। तीन कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली और उत्तर प्रदेश सीमा पर पिछले एक सौ दिन से चल रहे आंदोलन को देखते हुये इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने उनकी समस्यायें सुनी और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। खाप प्रतिनिधियों के साथ भारतीय जनता पार्टी के कुछ विधायक भी थे। इससे पहले बुढ़ाना के विधायक उमेश मलिक और शामली के विधायक तेजेंद्र निर्वाल के साथ आए खापों के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और पंचायतीराज मंत्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी से उनके आवास पर मुलाकात की थी। उन्होंने बिजली व गन्ने की समस्याएं उठाईं। खापों से प्रतिनिधियों ने कहा कि पश्चिमी यूपी में बिजली की बढ़ी दरें, गन्ना

मूल्य भुगतान में देरी और गन्ना मूल्य में वृद्धि नहीं होने से आम किसानों में नाराजगी है। फुगाना थांबा के हरवीर सिंह ने कहा कि जब राजकीय नलकूपों और नहरों से सिंचाई मुफ्त हो सकती है तो किसानों के निजी ट्यूबवैल को बिजली मुफ्त या कम दर पर क्यों नहीं दी जा सकती। खाप प्रतिनिधियों ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गन्ना मुख्य फसल है। सरकार को गन्ना किसानों की बेहतरी की तरफ ध्यान देना चाहिए। लंबे समय तक किसानों को बकाया भुगतान नहीं मिलता जबकि वे जो खाद, बीज लेते हैं, बैंक से कर्ज लेते हैं, उस पर ब्याज बढ़ता जाता है। बिजली दरें बढ़ने से विद्युत बिलों के भुगतान का संकट खड़ा हो रहा है। भूपेन्द्र चौधरी ने खाप चौधरियों के समक्ष कृषि कानूनों को लेकर पक्ष रखा और कहा कि इसमें किसान विरोधी कुछ भी नहीं है। आने वाले समय में निजी क्षेत्र के जरिये ही कृषि निवेश बढ़ाया जा सकता है। नए कृषि कानूनों से बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और किसानों को फसल का ज्यादा रेट मिलेगा।

भारत ने ५० देशों को भेजी मेड इन इंडिया वैक्सीन : मोदी

नई दिल्ली। भारत–स्वीडन आभासी शिखर सम्मेलन में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि कोविड के खिलाफ लड़ाई के दौरान भारत ने १५० से भी ज्यादा देशों को दवाएं और जरूरी उपकरण उपलब्ध कराए हैं, वहीं अब तक भारत ने ५० देशों को मेड इन इंडिया वैक्सीन उपलब्ध कराई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कोविड–१६ के दौरान हमने रीजनल और ग्लोबल, दोनों लेवल्स पर कोलैबरेशन के महत्व को पहचाना है। विश्व को कोविड–१६ पैनडेमिक के खिलाफ लड़ाई में सहयोग देने के लिए भारत ने १५० से भी ज्यादा देशों को दवाएं और अन्य जरूरी उपकरण उपलब्ध कराए। साथ ही, हमने अनलाइन ट्रेनिंग प्रोग्राम्स के द्वारा एशिया, साउथ–ईस्ट एशिया और अफ्रीका के फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स और पॉलिसी मेकर्स के साथ अपने अनुभव साझा किए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने अब तक लगभग ५० देशों को मेड इन इंडिया वैक्सीन भी उपलब्ध कराई हैं। और आने वाले दिनों में और

भी अनेक देशों को वैक्सीन की सप्लाई करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पर्यावरण परिवर्तन का महत्वपूर्ण मुद्दा हम दोनों देशों के लिए एक प्राथमिकता है और हम इस पर आपके साथ काम करना चाहेंगे। भारत की संस्ेति में पर्यावरण के संरक्षण और नेचर के साथ हारमोनी में जीने पर हमेशा महव दिया गया है।

रामायण में विज्ञान और आध्यात्म का समन्वय : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामायण की विभिन्न घटनाओं का जिक्र करते हुए शनिवार को कहा कि इस महाकाव्य में विज्ञान और आध्यात्म का समन्वय है। मुख्यमंत्री शनिवार को यहां संत गाडगे सभागार में रामायण विश्व महाकोश (ग्लोबल इनसाइक्लोपीडिया ऑफ द रामायण) की 'कर्टेन रेजर' पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश के संस्कृति विभाग ने किया था। उन्होंने कहा," यह पुस्तक हमें विज्ञान और आध्यात्म के अनछुए पहलुओं से परिचित

कराएगा।" कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 'रामायण विश्व महाकोश' को 'ई–बुक' के रूप में भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अयोध्या शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित अन्य पुस्तकों का भी विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान रामायण विश्व महाकोश पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा, "भगवान श्रीराम की संस्ेति पहली संस्कृति है, जिसने वैश्विक मंच पर अपना स्थान बनाया। इसके हजारों वर्ष बाद भगवान बुद्ध की संस्कृति वैश्विक मंच पर स्थापित हुई।"

प्रियंका आज मेरठ में किसान पंचायत को करेंगी संबोधित

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रभारी प्रियंका गांधी सात मार्च को गत वर्ष सरकार द्वारा लागू किए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ मेरठ में एक किसान पंचायत को संबोधित करने वाली हैं। यह किसानों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए पार्टी द्वारा आयोजित बैठकों की श्रृंखला का एक हिस्सा है। उन्होंने हाल ही में मथुरा जिले में एक किसान पंचायत को संबोधित किया था, जो तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के २७ जिलों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का हिस्सा है। उसने पिछले महीने मथुरा में कहा था, "भगवान कृष्ण ने भगवान इंद्र के अहंकार को तोड़ दिया था और यहां के लोगों को बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठा लिया था। यह सरकार भी अहंकारी हो गई है और जो देश को जिंदा रखते हैं, उन किसानों के क्रोध से यह सरकार बच नहीं पाएगी।" पार्टी राज्य में मिलों द्वारा गन्ना के भुगतान के लिए प्रदर्शन और पंचायत का आयोजन करेगी, जिसमें कांग्रेस महासचिव भाग लेंगी। किसानों द्वारा कृषि कानूनों को वापस लेने की उनकी मांग के लिए केएमपी एक्सप्रेसवे पर आंदोलन करने का फैसला करने के एक दिन बाद यह बैठक निर्धारित की गई है, क्योंकि किसान तीन महीने से अधिक समय से दिल्ली की सीमाओं पर बैठे हैं और कोई सफलता नहीं मिली है। रिपोर्ट्स के अनुसार, गन्ना किसानों को २०१६–२० का बकाया नहीं मिला है। २०२०–२१ के विपणन वर्ष में, सामान्य किस्म के लिए एसएपी ३१५ रुपये प्रति क्विंटल पर अपरिवर्तित रहा है, जबकि शुरूआती किस्म और गन्ने की अस्वीत किस्म के लिए कीमतें क्रमशः ३२५ रुपये और ३१० रुपये प्रति क्विंटल बनी रहेगी। यह तीसरा सीधा वर्ष है जब राज्य सरकार ने गन्ने के मूल्य में वृद्धि नहीं करने का निर्णय लिया है। २०१७ में योगी आदित्यनाथ सरकार के सत्ता में आने के बाद एसएपी को २०१७ में १० रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा दिया गया था। किसान नई एसएपी को ३२५ रुपये से बढ़ाकर ४५० रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग कर रहे हैं।

किसान संगठन आज मना रहे हैं 'काला दिवस'

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के तीन नयेैषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन को आज १०० दिन पूरे होने पर आंदोलनकारी किसान संगठन इस दिन (छह मार्च) को 'काला दिवस' के रूप में मना रहा है। इस बीच आंदोलनकारी किसानों ने आज पांच घंटों के लिए कुंडली–मानेसर–पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे को अवरुद्ध कर दिया है। एक्सप्रेसवे आज ११०० बजे से लेकर १६०० बजे तक अवरुद्ध रहेगा। संयुक्त किसान मोर्चा (एसएमपी) ने किसान आंदोलन के १०० दिन पूरे होने के अवसर पर छह मार्च (शनिवार) को 'काला दिवस' के रूप में मनाने

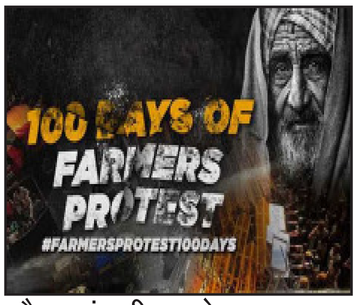

और कुंडली–मानेसर–पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे को पांच घंटों के लिए अवरुद्ध करने की शुक्रवार को घोषणा कर दी थी। किसान संगठनों और सरकार के बीच ग्यारह दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है लेकिन दोनों के बीच अभी तक सहमति नहीं बनी है। किसान नेता कृषि सुधार कानूनों को वापस लेने की मांग पर अड़े हैं जबकि सरकार इस मांग को पूरी करने के लिए तैयार नहीं है। किसानों का आंदोलन २६ नवंबर को शुरू हुआ था। हजारों की संख्या में विशेष रूप से पंजाब और हरियाणा के किसान दिल्ली से लगी सीमाओं के आसपास आंदोलन कर रहे हैं।

सम्पादकीय

समस्या कितनी गंभीर

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में दो हफ्तों के अंदर कॉम्पीटीशन की तैयारी कर रहे चार छात्रों ने आत्म हत्या कर ली है। यह ऐसे छात्रों में बढ़ते डिप्रेशन का परिणाम है। डिप्रेशन की स्थितियां रोजगार की सूरत की वजह से भी बनी हैं और प्रतियोगिता परीक्षाओं को लेकर चल रही समस्याओं के कारण भी। मगर आज इसकी चिंता किसको है? जाहिर है इस तरह की घटनाएं चिंतित करने वाली हैं। छात्रों के दिमाग पर दबाव बढ़ने की स्थितियां सचमुच में मौजूद हैं। नौकरियों में अवसरों की कमी, परीक्षाओं का समय पर न होना, परीक्षा होने पर भी परिणाम का समय पर न आना जैसे हालात बेशक असंतोष पैदा करने वाले हैं। हर जगह पिछले कई सालों से भर्तियां रुकी हुई हैं या फिर देर–सबेर से हो रही हैं। कर्मचारी चयन आयोग, उत्तर प्रदेश माध्यमिक सेवा चयन बोर्ड, उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग जैसी संस्थाओं की भर्ती प्रक्रिया पूरी होने में तीन से चार साल तक का समय लग रहा है।। उदाहरण के तौर पर कर्मचारी चयन आयोग की साल २०१७ और साल २०१८ की भर्ती प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा चयन बोर्ड ने पिछले चार साल में किसी नई भर्ती के लिए घोषणा ही नहीं की है। इस बोर्ड से राज्य के माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति की जाती है। पिछले साल अक्टूबर में चयन बोर्ड की ओर से करीब पंद्रह हजार पदों के लिए भर्ती करने की घोषणा हुई, लेकिन शुरुआती दौर में ही तमाम विसंगतियों के चलते बोर्ड ने इसे वापस ले लिया। नए सिरे से अब तक कोई प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है। इसलिए इसमें किसी को हैरत नहीं हुई, जब छात्रों ने ट्विटर पर मोदीऋरोजगारऋदो का हैशटैग चलाया, तो ट्रेंड कर गया। फिर पिछले कई सालों से ऐसी शायद ही कोई परीक्षा हुई हो, जो कोर्ट के चक्कर में ना फंसी हो। ऐसे में जो छात्र तैयारी में छह–सात साल लगा देते हैं, उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय दिखने लगता है, तो यह स्वाभाविक ही है। गौरतलब है कि कुछ महीने पहले जारी नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट से सामने आया था कि साल २०१६ में आत्महत्या करने वाले कुल लोगों में से दस फीसदी ऐसे थे, जिन्होंने बेरोजगारी से तंग आकर यह कदम उठाया था। तो जाहिर है कि ये समस्या कितनी गंभीर हो गई है। मगर ये सियासी नैरेटिव नहीं है। अब इस पर रोया जाए या अजरज किया जाए?

यूपी में 4 कमिश्नरों, 6 जिलाधिकारियों का तबादला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने चार डिविजनल कमिश्नरों और छह जिलाधिकारियों का तबादला कर दिया है। मंगलवार आधी रात के आसपास की गई यह घोषणा महत्वपूर्ण है क्योंकि ये राज्य में पंचायत चुनाव की पूर्व संध्या पर किया गया फैसला है। सरकार ने रामपुर, बदायूं, चित्रकूट, बस्ती, देवरिया और कानपुर देहात के जिलाधिकारियों का तबादला किया है। प्रयागराज, बरेली, मेरठ और मुरादाबाद डिवीजनों के आयुक्तों का भी तबादला कर दिया गया है। मुख्यमंत्री के सचिव, सुरेंद्र सिंह को मेरठ डिविजन का आयुक्त नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव, शुभ्रांत शुक्ला को चित्रकूट का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। राहत आयुक्त संजय गोयल को आयुक्त, प्रयागराज डिविजन के पद पर, जबकि रामपुर के जिलाधिकारी औंजनेय कुमार सिंह को मुरादाबाद डिविजन का नया कमिश्नर नियुक्त किया गया है। प्रयागराज के कमिश्नर आर रमेश

को बरेली का कमिश्नर बनाया गया है। अतिरिक्त आवास आयुक्त दीपा रंजन को बदायूं की नई जिलाधिकारी बनाया गया है जबकि वृंदावन–मथुरा के नगर निगम आयुक्त रवींद्र मंदार को रामपुर का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। सौम्या अग्रवाल बस्ती की नई जिलाधिकारी हैं और आशुतोष निरंजन को देवरिया का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय एकीकरण प्रमुख सचिव जितेंद्र कुमार सिंह, को कानपुर देहात का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है।

जहां से चले वहीं पहुंचे मोदी!

हरिशंकर व्यास

बहुत खराब है! बहुत त्रासद है! कई मायनों में वैश्विक पैमाने पर हिंदू के लिए शर्मनाक! हिसाब से नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ को भी शर्मनाक फील करना चाहिए। याद करें नरेंद्र मोदी ने जब बतौर मुख्यमंत्री शपथ ली थी तो तुरंत बाद के गुजरात दंगों के बाद देश–दुनिया में उनको ले कर जो नैरेटिव, विमर्श, बहस, खबरें बनी थीं उसका क्या सार था? उन्हें विभाजक, नरसंहारक करार दिया गया था। ऐसा शोर करने वाले कौन थे? भारत में इंडिया टुडे ग्रुप से ले कर टाइम्स ग्रुप आदि तमाम वे मीडिया संस्थान जो आज मोदी

भक्त और पालतू हैं। उधर दुनिया में तमाम आला वैश्विक मीडिया संस्थानों से ले कर अमेरिकी प्रशासन, ब्रिटेन, फ्रांस याकि दुनिया के सभ्य देशों में, उनके थिंक टैंकों में भी नरेंद्र मोदी खलनायक हुए। हां, गुजरात में हिंसा से शुरू हिंदू राजनीति के साथ अमेरिका, ब्रिटेन याकि दुनिया भर में नरेंद्र मोदी, आरएसएस के प्रति हर तरह की नकारात्मकता थी। ये ब्लैकलिस्टेड थे। अमेरिका ने मोदी को वीजा नहीं दिया। तभी सन् २०१४ में लोकसभा चुनाव से पहले भी वैश्विक मीडिया की कवर स्टोरी से लेकर टीवी कवरेज सबमें निचोड़ था कि मोदी का प्रधानमंत्री बनना ठीक नहीं होगा। ऐसा होना भारत के लिए बुरा होगा। मोदी को प्रध ाानमंत्री नहीं बनना चाहिए। वैश्विक नेताओं और अमेरिका, ब्रिटेन आदि के सभ्य लोकतांत्रिक देशों के सत्ता प्रतिष्ठानों में चिंता, कौतुक और दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की अनहोनी पर विस्मय के साथ आशंकाएं थीं। तब अपना लिखना था, यदि इस्लाम जनित परिस्थितियों से, अनुभव में हिंदू नई राजनीति, नए नेतृत्व में भारत राष्ट्र–राज्य का भला देख रहा है तो यह मोड, यह वक्त यदि नरेंद्र मोदी का मौका है और ऐसा न होने देने का तर्क बेतुका है। उलटे अभिनंदन होना चाहिए। अपना विश्वास है कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद अपने प्रति बनी ध ाारणाओं को गलत साबित करेंगे। उनसे भारत का भला होगा। दुनिया में उनकी और हिंदुओं की नई इमेज बनेगी। १४ सालों से नरेंद्र मोदी को सांप्रदायिक, विभाजक, फासीवादी, तानाशाह आदि जो–जो कहा जाता रहा है वह उनके भारत नेतृत्व से गलत प्रमाणित होगा। निःसंदेह तब बराक ओबामा से ले कर डेविड कैमरन, ओलांदे (फ्रांस), आबे (जापान), मर्केल (जर्मनी) आदि लोकतांत्रिक नेताओं ने भारत के जनादेश पर प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी को गले लगाया। वैश्विक मीडिया ने भी नरेंद्र मोदी से उम्मीद बनाई और वाशिंगटन, लंदन के मानवाधिकारी, एक्टिविस्टों, सेकुलरों याकि मोदी विरोधी कैंपेन करने वाली लबी हाशिए में चली गई। दुनिया भर में नरेंद्र मोदी का (भले भक्त हिंदू समर्थकों का प्रायोजित हो) स्वागत हुआ। मतलब मई २०१४ से लेकर नवंबर २०१६ में नोटबंदी की घोषणा तक विश्व राजधानियों में, वैश्विक मीडिया में यह स्वागत, यह कौतुक, यह भरोसा था कि वे नरेंद्र मोदी, हिंदू राजनीति, आरएसएस को ले कर जैसा सोचते थे, जैसा प्रचार था शायद उससे अलग अनुभव हो। मतलब नरेंद्र मोदी न विभाजक, न सांप्रदायिक–फासीवादी और न अलोकतांत्रिक! जाहिर है नरेंद्र मोदी के प्रति नजरिया खुले दिल वाला बदला हुआ था। बराक ओबामा, डेविड कैमरन भी उदार, सभ्य, विकासमान राष्ट्र के लिए प्रतिबद्ध नेता के रूप में मोदी को गले लगाते हुए थे! लेकिन आज, मार्च २०२१ में नरेंद्र मोदी को लेकर अमेरिका के जो बाइडेन प्रशासन, अमेरिकी संसद में दोनों पार्टियों की मंजूरी से चलने वाले 'फ्रीडम हाउस' की रिपोर्ट में भारत पर क्या लिखा है? इसी सप्ताह लंदन की 'द इकोनमिस्ट' के ताजा अंक और पिछले अंक में भारत में लोकंतत्र, इंटरनेट आजादी, मीडिया–अभिव्यक्ति की आजादी, संस्थाओं–अदालत, लोगों की निजता, मानवाधिकारों पर क्या कुछ लिखा है? वह सब लिखा गया जो आजाद भारत के इतिहास में पहले कभी नहीं लिखा गया। कितना शर्मनाक है यह जानना कि अमेरिकी संसद और प्रशासन के लिए रिफरेंस वाले फ्रीडम हाउस संस्थान ने भारत को अब 'आंशिक लोकतंत्र' कैटेगरी में डाला है और इंटरनेट पांबदी में भारत दुनिया में नंबर एक पर है और उसके बाद यमन, इथियोपिया जैसे देश हैं! हिंदू भक्त भले न मानें और न यह समझें कि इस्लाम के खिलाफ अस्तित्व की लड़ाई में यहूदियों की भारी धार्मिकता व राष्ट्रीयता के बावजूद इजराइल लोकतंत्र, नागरिकों की आजादी में वैश्विक पताका से अमेरिका–यूरोपीय याकि सभ्य दुनिया से बेइंतहा समर्थन लिए हुए है, जबकि आरएसएस, हिंदू संगठनों और नरेंद्र मोदी ने सात साल के राज से अपने को भयावह बदनाम बना डाला है! 'द इकोनमिस्ट' पत्रिका ने पिछले सप्ताह नरेंद्र मोदी, गुरू गोलवलकर के विचार–तौर–तरीकों में हिटलर–नात्सीवाद का जिस अंदाज में रिफरेंस बनाया, उसका सीधा दो टूक अर्थ है कि न्यूयर्क टाइम्स, वाशिंगटन पोस्ट, गार्जियन से लेकर दुनिया के सभी सभ्य–विकसित लोकतांत्रिक देशों के मीडिया, थिंक टैंक, प्रशासन में इस्लाम, चाइनीज (जिस पर पिछले दो साल में नजरिया भारी बदला) के बाद हिंदू और हिंदू राजनीति पर विचार निगेटिव हुआ है। दुनिया की निगाह में नरेंद्र मोदी और उनका राज वैसे ही फिर बदनाम है जैसे बतौर गुजरात सीएम थे। आश्चर्य जो नरेंद्र मोदी, आरएसएस जान नहीं रहे कि उन्हें और हिंदुओं को लेकर सभ्य विश्व समाज में क्या ध ाारणाएं पक रही हैं। मोदी भूल रहे हैं कि गुजरात के वक्त न उतना भूमंडलीकरण था और न वैश्विक एक्टिविस्टों, वैश्विक सोशल मीडिया का वह प्रभाव था जो आज है। आज यदि कोई विषय ट्रेंड होता है तो बहुत सघनता से इतना बदनाम बना डालता है कि पूरी कौम बदनाम होती है। जैसे कोरोना के बाद चीन या चाइनीज हुए या अमेरिका का अश्वेत आंदोलन वैश्विक हुआ। हां, किसान आंदोलन से, सन् २०१९ की दोबारा जीत के बाद से दुनिया में फिर यह स्थापित हो रहा है कि नरेंद्र मोदी, आरएसएस, हिंदू राजनीति वहीं है जो इस्लामी तानाशाह, संगठनों और देशों की राजनीति है। दुनिया के लिबरल, सभ्य लोकतांत्रिक समाज, ईसाई–यहूदी सभ्यता के देशों, थिंक टैंकों, वैश्विक एक्टिविस्टों में भारत की मौजूदा हिंदू राजनीति, हिंदू संगठन, हिंदू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के प्रति भाव, मूल्यांकन दस तरह की निगेटिविटी लिए हुए हो गया है? और यह सब छोटीटूच्ची बातों से है। मतलब दिशा रवि पर देशद्रोह, तापसी पन्नू के यहा आईटी छापे, ओटीटी–इंटरनेट पर पांबदी के बेतुके नियमों से लेकर किसान आंदोलन, बूढ़ों–नौजवानों को जेलों में डालने जैसी बातों ने दुनिया का भारत पर ऐसा फोकस बनवाया है कि जिधर देखो उधर बदनामी है। सवाल है क्या ये काम न करें तो मोदी के वोट कम हो जाएंगे, मोदी की कुर्सी खतरे में पड़ेगी? कतई नहीं! तब क्यों ऐसा? अपना जवाब पुराना है और वह यह है कि हर सरकार और उसकी राजनीति अपने पतन के बीज अपने जन्म से ही लिए हुए होती है! मैं सन् २०१६ के बाद से यह निष्कर्ष बार–बार लिखता आ रहा हूं कि हिंदू राजनीति को मोदी राज इतना बदनाम करके जाएगा, जिसकी कल्पना कभी किसी ने नहीं की होगी।

अल्पसंख्यक समाज को आबादी से कई गुना ज्यादा लाभ मिला : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी योजना में आप जाएंगे तो आप पाएंगे, आबादी के हिसाब से देखेंगे, तो अल्पसंख्यक समाज को उससे कई गुना ज्यादा लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को विधान परिषद में बजट पर चर्चा के दौरान कहा कि प्रदेश में अल्पसंख्यकों की आबादी १७ से १६ फीसदी है और अल्पसंख्यक समाज को योजनाओं का लाभ ३० से ३५ फीसदी मिलता है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के पास न विजन था और न ही करने की चाह थी। सपा सरकार में २० करोड़ की आबादी के लिए दो लाख करोड़ का बजट पेश किया जाना, ऊंट के मुंह में जीरा है। पहले की सरकार में पिक एंड चूज होता था, लेकिन आज कोई ऐसा नहीं कह सकता। ”हमने तुष्टीकरण नहीं किया, बल्कि ईमानदारी से काम किया। दो लाख करोड़ में आप यह नहीं कर सकते थे। उन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं को गिनाते हुए कहा कि ”प्रधानमंत्री आवास, सौभाग्य, उज्ज्वला, खाद्यान्न योजना, आयुष्मान भारत या मुख्यमंत्री जनआरोग्य योजना, किसी भी योजना में आप जाएंगे तो आप पाएंगे, आबादी के हिसाब से देखेंगे, तो अल्पसंख्यक समाज को उससे कई गुना ज्यादा लाभ मिल रहा है। यह सरकार की ईमानदारी और सबका साथ, सबका विकास की प्रधानमंत्री के उस संकल्प और भाव के अनुरूप है, जो उन्होंने २०१४ में सरकार बनाने के पहले देश को एक स्लोगन दिया था कि सरकार आएगी, तो कैसे काम करेगी। आप देख सकते

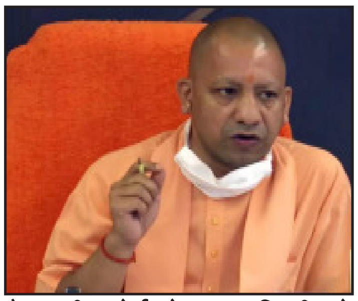

हैं, कहीं कोई भेदभाव किसी के साथ नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि देश में आजादी के समय प्रदेश की अर्थव्यवस्था टप पर थी। समाजवादी पार्टी, बहुजन समाजवादी पार्टी, कांग्रेस या अन्य दल जो उस समय सत्ता में थे। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था लगातार गिरती गई और २०१५–१६ आते–आते यह पांचवें और छठे नंबर पर पहुंच गई। उन्होंने कहा, ”एक थीम के तहत हमने बजट पेश किया। बजट का दायरा कोरोना की चुनौतियों के बावजूद बढ़ाया गया। पहले बजट का दायरा सीमित था, लेकिन हम आज साढ़े पांच लाख करोड़ तक पहुंचे हैं। योगी ने कहा, ”दुनिया के राष्ट्राध्यक्ष या राजदूत आते हैं और जब हम अपनी बात उनके सामने रखते थे, तो हमें यह बताते हुए कई बार संकोच होता था कि हम देश की आबादी के सबसे बड़े राज्य हैं। जबकि उनका यह सोच होती थी कि हमारी अगली बात जो निकलेगी वह यह होगी कि हम देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी हैं, लेकिन हम इसे नहीं बोल पाते थे।” उन्होंने कहा कि बजट सरकार का सामान्य लेखा–जोखा नहीं है, बल्कि रोडमैप भी होता है। उन्होंने सपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि २० करोड़ की आबादी का राज्य दो लाख करोड़ का बजट ऊंट के मुंह में जीरा है। जबकि उस समय प्रदेश में ३० फीसदी से ऊपर ऋणग्रस्तता थी। एफआरपीएम की सीमा का भी पालन नहीं हो रहा था, तब भी बजट कितना था? दो लाख करोड़। २० करोड़ की आबादी को उसकी बुनियादी सुविधाएं इंफ्रास्ट्रक्च र डेवलपमेंट, किसानों, युवाओं, महिलाओं, गांव, नगरों, समाज के हर तबके के लिए क्या हम ईमानदारी से कार्य कर पाते। इसीलिए पिक एंड चूज होता था।

जनता ने दिया पूरा साथ, भाजपा ने सौ फीसदी धोखा : अखिलेश

झांसी। पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तीखा हमले करते हुए कहा कि बुंदेलखंड की जनता ने भाजपा सरकार का सौ प्रतिशत साथ किया लेकिन सत्ता हासिल कर भाजपा ने उन्हें सौ फीसदी धोखा दिया। वीरांगना नगरी झांसी के निकट राजाराम की नगरी ओरछा में चल रहे तीन दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेने आने सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने हवाई पट्टी पर पत्रकारों से बात करते हुए कि इस सरकार के शासनकाल में ऐसी स्थिति बन गयी है कि आज बुंदेलखंड में सबसे अधिक मुसीबत में किसान है। महोबा में किसान आत्महत्या कर रहा है, झांसी में किसान आत्महत्या कर रहा है। कुल मिलाकर यहां की जनता ने भाजपा का चुनाव में पूरा साथ दिया चाहें बात सांसद की हो या विधायकों की सभी इसी पार्टी के बने लेकिन सत्ता हासिल करने के बाद भाजपा ने यहां की जनता को पूरा पूरा धोखा दिया। जो प्रोजेक्ट पुरानी सरकार के समय शुरू किये गये थे उनको इतनी धीमी गति से पूरा किया जा रहा है कि उस प्रोजेक्ट से अब इस सरकार का नाम जुड़ जाए। सपा सरकार के समय चल रही एबुलेंस सेवा को पूरी तरह बरबाद कर दिया,झांसी मेडिकल कलेज में ५०० बेड का अस्पताल बन रहा

था वह अभी तक बन रहा है। बंगाल चुनाव में पार्टी के स्टैंड के बारे में पूछे जाने पर श्री यादव ने साफ किया कि वहां समाजवादी पार्टी ममता बनर्जी के साथ खड़ी होगी। हमारी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा जी और हमने फैसला किया है कि वह ममता जी के साथ प्रचार में लगातार रहेंगे। इस दौरान पूर्व सांसद डॉ चंद्रपाल सिंह यादव, पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव, युवा नेता हीरेंद्र यादव और पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

बिहार में जदयू की सवर्णो को साधने की तैयारी

पटना। बिहार में पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में कम सीटें मिलने के बाद से ही जनता दल (युनाइटेड) अपने कुनबे को बढ़ाने में जुटी है। इसी को लेकर पार्टी की नजर अब सवर्ण मतदाताओं पर टिकी हुई है। केंद्र द्वारा सामान्य जातियों के आर्थिक रूप से कमजोर

वर्ग के लिए आरक्षण देने के बाद राजनीतिक दलों की नजर सवर्ण मतदाओं पर पड़ी है। आमतौर पर देखा जाता है कि राजनीतिक दल अपने संगठन में पिछड़ा प्रकोष्ठ, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, दलित प्रकोष्ठ, महादलित प्रकोष्ठ सहित कई प्रकोष्ठों का गठन तो करते हैं, लेकिन सवर्ण प्रकोष्ठ का गठन नहीं किया जाता था। इस बीच जदयू ने संगठन में सवर्ण प्रकोष्ठ का गठन कर सवर्णों पर डोरे डालने में जुटी है। जदयू ने सवर्ण प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नीतीश कुमार 'विमल' को बनाया है। जदयू के पूर्व अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह एक बड़ी रणनीति बताई जा रही है। आमतौर पर सवर्ण मतदाताओं को भाजपा का वोट बैंक माना जाता है, ऐसे में जदयू की नजर अपनी ही सहयोगी पार्टी भाजपा के वोट बैंक पर है। कहा जा रहा है कि अन्य जातीय समीकरण को साधने के बाद अब जदयू की नजर सवर्ण पर जा टिकी है। जदयू ने चुनाव के बाद अपने संगठन में बदलाव करते हुए नीतीश कुमार की जगह राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी आर सी पी सिंह को दी गई है। सिंह लगातार अपने कुनबे को बढ़ाने में जुटे हैं। सवर्ण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष नीतीश कुमार 'विमल' कहते हैं कि पार्टी उच्च जाति के लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं ओर मुद्दों को जानने की कोशिश करेगी। उनका कहना है कि प्रकोष्ठ यह प्रयास करेगी कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ सवर्णो तक भी पहुंचे। इधर, पूर्व मंत्री और विधान पार्षद नीरज कुमार कहते हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहचान 'अलग राजनीतिज्ञ' के रूप में रही है। उन्होंने कहा कि सामान्य जाति के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को आरक्षण देने के पूर्व से ही सवर्णों के कल्याण के लिए बिहार में काम होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कार्यक्रम में आगे बढ़ाने के लिए पार्टी ने सवर्ण प्रकोष्ठ का गठन किया है। सूत्रों का कहना है कि बिहार में सवर्ण मतदाताओं की संख्या बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन कई क्षेत्रों में सवर्ण मतदाता चुनाव परिणामों को प्रभावित करते रहे हैं। संभावना व्यक्त की जा रही है कि अन्य राजनीतिक दल भी अब ऐसा करेंगे। बिहार में सवर्णों में आमतौर पर चार जातियों ब्राह्मण, भूमिहार, राजपूत और कायस्थ को माना जाता है। बिहार में इनकी कुल आबादी करीब १६ प्रतिशत के करीब मानी जाती है। पहले इन मतदाताओं का वोट कांग्रेस को जाता रहा है, जो फिलहाल भाजपा की ओर 'शिफ्ट' हुआ है। जदयू और भाजपा में गठबंधन है। सवर्ण मतदाता भाजपा के वोटबैंक माने जाते हैं। ऐसी स्थिति में सवर्ण मतदाताओं का लाभ भाजपा को मिलता रहा है। जदयू अब इसी पर नजर गड़ाए हुए हैं।

कांग्रेस की तरह भाजपा सरकार में भी दलितों को सम्मान नहीं : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने हाथरस कांड को लेकर सरकार पर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस पार्टी की तरह बीजेपी सरकार में भी दलितों, शोषितों व महिलाओं आदि के जान–माल व आत्म–सम्मान कतई भी सुरक्षित नहीं हैं। मायावती ने यहां अपने जारी बयान में बताया

कि, ”यूपी के हाथरस में दलित उत्पीड़न व पिता की हत्या तथा गुजरात में दलित आरटीआई कार्यकर्ता की निर्मम हत्या यह साबित करती है कि कांग्रेस पार्टी की तरह बीजेपी सरकार में भी दलितों, शोषितों व महिलाओं आदि की जान–माल व आत्म–सम्मान कतई भी सुरक्षित नहीं है। सरकार इस ओर तुरन्त ध्यान दे। उन्होंने कहा कि, ”यूपी सरकार में वैसे तो हर वक्त अपराध चरम पर होने से अपराध नियंत्रण का काफी बुरा हाल है। किन्तु खासकर दलित व महिला उत्पीड़न व असुरक्षा की आए दिन होने वाली दर्दनाक घटनाओं से हर ओर चिंता की लहर है। ऐसे संगीन मामलों में सरकार की लापरवाही दुरूखद है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सासनी क्षेत्र के गांव नौजरपुर में सोमवार शाम बेटी से छेड़छाड़ की शिकायत करने वाले पिता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया जा रहा है कि आरोपी छेड़छाड़ का केस वापस लेने के लिए पीड़ित परिवार पर दबाव बना रहा था। मृतक की बेटी ने छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। इनमें से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने वारदात में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगाने के भी निर्देश दिए हैं।

कई राज्यों में कोरोना बेकाबू,महाराष्ट्र, पंजाब जाएगी केंद्रीय टीम

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का संक्रमण एक बार फिर देश में बेकाबू हो रहा है। कई राज्यों में वायरस की नई लहर आई है, जिसके बाद हालात पर काबू पाने के लिए एक बार फिर पाबंदियों का सिलसिला शुरू हो गया है। पंजाब के जालंधर में रात का कर्फ्यू लगा दिया गया है और मध्य प्रदेश के कई शहरों में भी रात का कर्फ्यू लगाने की तैयारी है। शनिवार को इंदौर और भोपाल में बड़ी संख्या में नए संक्रमित मिलने के बाद इन दो शहरों में या कम से कम इंदौर में रात का कर्फ्यू लगाने पर विचार किया जा रहा है। इंदौर में ब्रिटेन वाले स्ट्रेन से संक्रमित छह मरीज मिलने से प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। इस बीच राजस्थान सरकार ने ऐलान किया है कि मध्य प्रदेश, गुजरात, पंजाब और हरियाणा से आने वालों के लिए आरटी–पीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट जरूरी होगी। इस बीच देश में सबसे ज्यादा संक्रमित राज्य महाराष्ट्र में लगातार दूसरे दिन १० हजार से ज्यादा मरीज मिले हैं। आखिरी बार पिछले साल १७ अक्टूबर को राज्य में १० हजार से ज्यादा केसेज आए थे। शुक्रवार और शनिवार को लगातार दो दिन १० हजार से ज्यादा केस आए हैं। इसके साथ ही राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या का आंकड़ा २२ लाख से ज्यादा हो गया है। शनिवार को महाराष्ट्र में संक्रमितों की संख्या २२ लाख आठ हजार से ज्यादा हो गई। राज्य में ४७ लोगों की मौत भी हुई। शनिवार को महाराष्ट्र में १०,१८७ नए मरीज मिले और ६,०८० मरीज ठीक हुए। इस तरह २४ घंटे में चार हजार से ज्यादा एक्टिव मरीज बढ़ गए। देश में एक्टिव मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। शनिवार को देर रात तक यह संख्या बढ़ कर एक लाख ८१ हजार के करीब पहुंच गई। केरल में जरूर संक्रमितों की संख्या स्थिर हुई है या कम हुई है लेकिन आश्चर्यजनक तरीके से महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, गुजरात, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में संक्रमितों की संख्या बढ़ने लगी है। शनिवार को गुजरात में ५७१ नए मामले आए, जबकि इसी अवधि में ४०३

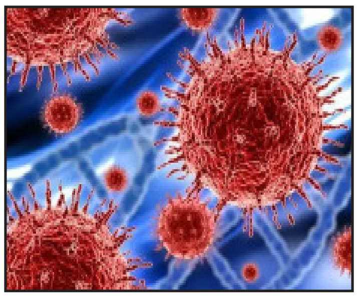

लोग इलाज से ठीक हुए। शनिवार को देर रात तक देश में संक्रमितों की संख्या १७ हजार से ऊपर चली गई। देर रात तक कई राज्यों के आंकड़े अपडेट नहीं हुए थे। उनके आंकड़े अपडेट होने के बाद यह संख्या और ऊपर जाएगी। गौरतलब है कि शुक्रवार को १८ हजार से ज्यादा मरीज मिले थे। शनिवार को २४ घंटे में चार हजार से ज्यादा एक्टिव केस बढ़ गए। अकेले महाराष्ट्र में एक्टिव केसेज की संख्या बढ़ कर ६२,८६७ पहुंच गई है। केरल में ४२,८१७ एक्टिव केसेज हैं। एक लाख ३५ हजार से ज्यादा एक्टिव केस इन दो राज्यों में हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगातार दूसरे दिन तीन सौ से ज्यादा केसेज आए। शनिवार को ३२१ नए मामले आए। पंजाब में शनिवार को १,१७६ नए केसेज आए और १२ लोगों की मौत हुई। राज्य में एक्टिव केसेज की संख्या ७,१६४ हो गई है। तमिलनाडु में शनिवार को ५६२ नए केसेज सामने आए। अच्छी खबर यह है कि उत्तर प्रदेश में एक्टिव केसेज में तेजी से कमी आ रही है। शनिवार को राज्य में १३० नए केस आए, जबकि ४१६ लोग इलाज से ठीक हुए। कोरोना वायरस के संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र और पंजाब में विशेष टीम भेजने का फैसला लिया है। इस टीम में विशेषज्ञ डक्टरों के अलावा, स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी और इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च यानी आईसीएमआर के वैज्ञानिक भी शामिल होंगे। टीम के सदस्य राज्य सरकारों के साथ मिल कर कोरोना को रोकने के लिए काम करेंगे। गौरतलब है कि महाराष्ट्र और पंजाब में सबसे तेजी से नए केसेज बढ़ रहे हैं। महाराष्ट्र में संक्रमण तेजी से फैल रहा है और पिछले दो दिन से लगातार १० हजार से ज्यादा केसेज आ रहे हैं तो पंजाब में कोरोना संक्रमितों की मृत्यु दर सबसे ज्यादा है। राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या एक लाख ८७ हजार के करीब है लेकिन उनमें से मरने वालों की संख्या ५६ सौ से ज्यादा हो गई है। संक्रमितों की संख्या के लिहाज से पंजाब १८वें स्थान पर है लेकिन मरने वालों की संख्या के लिहाज से आठवें स्थान पर है।

रामनाथ कोविंद अपने दो दिवसीय प्रवास पर मध्यप्रदेश के जबलपुर पहुंचे

जबलपुर। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मध्यप्रदेश के दो दिवसीय प्रवास पर आज सुबह जबलपुर पहुंचे, जहां डुमना विमानतल पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

ने अगवानी की। राष्ट्रपति आज यहां विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। राष्ट्रपति कोविंद सुबह ०६ः४० बजे विशेष विमान से जबलपुर के डुमना विमानतल पहुंचे, जहां राज्यपाल श्रीमती पटेल और मुख्यमंत्री चौहान ने उनकी अगवानी की। इस मौके पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री प्रहलाद पटेल, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मोहम्मद रफीक, प्रदेश के आयुष एवं जलसंसाधन राज्य मंत्री रामकिशोर कांवरे, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की जबलपुर प्रिंसिपल बैंच के प्रशासनिक न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव सहित अन्य लोगों मौजूद रहे। राष्ट्रपति डुमना विमानतल से सीधे सर्किट हाउस के लिए रवाना हो गए हैं। इसके पश्चात वह मानस भवन के लिये प्रस्थान करेंगे। जहां मप्र राज्य न्यायिक अकादमी के कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वह वापस सर्किट हाउस पहुँचेंगे तथा शाम ०६ ३० बजे महाआरती में शामिल होने नर्मदा नदी ग्वारीघाट जाएंगे, जहां वह संध्या पूजन अर्चना और मां नर्मदा की आरती में शामिल होंगे। इसके उपरांत शाम ०७ः १५ बजे ग्वारीघाट से सीधे उच्च न्यायालय के लिये प्रस्थान करेंगे। जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रि भोज में शामिल होंगे। इसके उपरांत सीधे सर्किट हाउस पहुंचेंगे। राष्ट्रपति रात्रि विश्राम जबलपुर में करेंगे तथा कल कल सुबह १० बजे दमोह के लिये प्रस्थान करेंगे। वहां से वापस लौटकर दोपहर ०१ः ५० बजे विशेष विमान से दिल्ली के लिये रवाना जाएंगे।

सैन्य कमांडरों के संयुक्त सम्मेलन में भाग लेने के लिए गुजरात पहुंचे मोदी

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के केवड़िया में स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के निकट आयोजित सैन्य कमांडरों के संयुक्त सम्मेलन (कम्बाइंड कमांडर्स कानफरेंस) में भाग लेने के लिए आज सुबह अपने गृह राज्य के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। अहमदाबाद के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने उनका स्वागत किया। मोदी वहीं से वायु सेना के हेलिकॉप्टर में केवड़िया रवाना हो गए जहां वह टेंट सिटी में आयोजित उक्त सम्मेलन के समापन सत्र को सम्बोधित करेंगे। चार मार्च से शुरू हुए इस तीन दिवसीय सम्मेलन को कल रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सम्बोधित किया था। सम्मेलन में भाग लेने वालों में देश के रक्षा सेवा प्रमुख जनरल बिपिन रावत, थल सेना प्रमुख एम एम नरवणे, जल सेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया, रक्षा सचिव

अजय कुमार और सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के नाम शामिल है। सम्मेलन में देश की सैन्य तैयारियों और संबंधित विषयों पर विस्तार से विचार विमर्श हो रहा है। इसके मद्देनजर केवड़िया तथा आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी कर दी गयी है।

तमिलनाडु में बीजेपी का 'डोर टू डोर कैंपेन' लांच करेंगे गृहमंत्री अमित शाह

नई दिल्ली। गृहमंत्री अमित शाह का एक बार फिर तमिलनाडु और केरल का दौरा तय हुआ है। वह कल दोनों चुनावी राज्यों का दौरा कर भाजपा के चुनावी अभियान को धार देंगे। खास बात है कि इस दौरे के दौरान गृहमंत्री अमित शाह तमिलनाडु में विजय संकल्प महासंपर्क यात्रा अभियान लांच करेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह सात मार्च को तमिलनाडु के कन्याकुमारी स्थित सुचिन्द्रम मंदिर में दर्शन–पूजन करेंगे। यह कार्यक्रम सुबह १०रू२० मिनट पर होगा। इसके बाद वह कन्याकुमारी के सुचिन्द्रम टाउन में ही विजय संकल्प महासंपर्क नामक 'डोर टू डोर' अभियान लॉन्च करेंगे। इस अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता तमिलनाडु की जनता के घर–घर जाकर केंद्र सरकार की नीतियों और भाजपा के विजन की चर्चा करेंगे। इसके बाद गृहमंत्री अमित शाह हिंदू कलेज से कामराज स्टेच्यू तक रोड शो करेंगे। यह कार्यक्रम दिन में ११:१५ बजे शुरू होगा। दोपहर साढ़े १२ बजे गृहमंत्री अमित शाह कन्याकुमारी स्थित उडुपी होटल में कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। इसके बाद गृहमंत्री केरल जाएंगे। वहां तिरुवनंतपुरम में सांय साढ़े चार बजे श्री रामकृष्ण मठ का दौरा करेंगे। गृहमंत्री अमित शाह केरल में भाजपा की केरल विजय यात्रा में भी हिस्सा लेंगे।

केन्द्र सरकार महंगाई पर काबू पाने के लिए उठाये कदम : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि केन्द्र सरकार को बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए समय रहते कदम उठाये जाने चाहिए ताकि इससे लोगों में असंतोष पैदा नहीं हो। गहलोत ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि सरकार को समय रहते कदम उठाने चाहिए ताकि महंगाई पर काबू पा सकें वरना लोगों में असंतोष पैदा होगा, जो देशहित में नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पेट्रोल–डीजल और गैस की बढ़ती कीमतों ने आम जनता का जीवन मुश्किल कर दिया है। ट्रांसपोर्ट लागत बढ़ने से महंगाई भी बढ़ती जा रही है। कम होती आमदनी, जाती हुई नौकरियां और डूबती अर्थव्यवस्था के दौर में लोग जीवनयापन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। लेकिन बेहद दुखद है कि सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा। मोदी सरकार को फ्यूल की कीमतें कम करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आसमान छूती फ्यूल और रसोई गैस की कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री को पत्र लिखा, उसी के क्रम में शुक्रवार को स्पीकअप अगेंस्ट प्राइस राइज कैम्पेन दिन भर बहुत ही शानदार चला है, लाखों नौजवानों ने इसमें भाग लिया है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि यह अभियान का बहुत प्रभाव पड़ेगा और जनता की भावना सरकार तक पहुंचेगी, सरकार की नींद उड़ेगी तो जनता का भला होगा। उन्होंने कहा कि सौ दिन से आंदोलनरत हमारे किसानों की हिम्मत, दृढ निश्चय और बलिदान को सलाम। इस आंदोलन ने मोदी सरकार की निष्ठुरता को भी जगजाहिर कर दिया है। यह बेहद निराशाजनक है कि सरकार किसानों की जायज मांगों को सुनने के लिए अब तक तैयार नहीं है।

सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री की भारत को खरी- खरी

नई दिल्ली। भारत में बढ़ते पेट्रोल के दामों के कारण देशभर में विरोध हो रहा है. आम आदमी से लेकर बड़े– बड़े कारोबारी भी पेट्रोल के बढे हुए दामों से परेशान हो रहे हैं. इसी बीच भारत सरकार ने तेल उत्पादन करने वाले देशों के संगठन ओपेक से नियंत्रण में ढील बरतने की अपील की थी. जिसके बाद भारत को कुछ ऐसा जवाब मिला जिसकी उम्मीद किसी को भी नहीं थी. सऊदी अरब ने भारत की अपील पर जवाबी तेवर दिखाते हुए कहा है कि भारत को हमें सलाह देने की जगह पहले से सस्ते दामों में लिये गये तेल का प्रयोग करना चाहिए. उन्होंने कहा कि भारत ने काफी मात्रा में सस्ता पेट्रोल खरीदा था. फिलहाल उसका प्रयोग करना चाहिए. कोरोना काल के बाद से लगातार कच्चे पेट्रोल के दामों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है. ताजा जानकारी के अनुसार कच्चे तेल का भाव ६७.४४ डालर प्रति बैरल के पास पहुंच गया है. ऐसे में स्वभाविक है कि आने वाले समय में दुनिया भर के देशों में पेट्रोल की दाम बढेंगे और लोगों को तेल

की बढ़ते दामों से फिलहाल तो कोई आराम मिलने वाला नहीं है. वहीं ओपेक(व्च्म्)और उसके सहयोगी देशों का मानना है कि अप्रैल में कच्चे तेल का उत्पादन कम में बढ़ोतरी नहीं होनी चाहिए. इन देशों का कहना है कि जब तक स्थाई डिमांड नहीं बढता है तब तक से उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी नहीं होनी चाहिए. ओपेक(व्च्म्) देशों की बैठक में भारत को अपने दिये गये सुझाव पर मुंह की खानी पड़ी. संवाददाता सम्मेलन(च्त्रै ब्ब्थ्थ्त्म्छ्ब्) में भारत के आग्रह पर जवाब देते हुए सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलाजीज बिन सलमान ने कहा कि भारत ने पहले काफी कम दाम में पेट्रोल खरीद कर स्टोर कर रखा है. ऐसे में उन्हें हमें सलाह देने से बचना चाहिए. भारत को पहले उस स्टोर तेल को खत्म करने के बारे में सोचना चाहिए. उन्होंने कहा कि पहले से रखे तेल को खत्म करने की जगह भारत को तेल के दामों के चिंता करनी छोड़ देनी चाहिए. जानकारों की मानें तो तेल के दामों में आ रही बढ़ोतरी को नियंत्रित करने के इस प्रयास में भारत को मुंह की खानी पड़ी है. ऐसे में अब भारत पेट्रोल के दामों को नियंत्रित करने के लिए कौन से तरीके अपनाता है ये देखने वाली बात होगी.

स्कूल की तरफ से बच्चों को मिले वस्त्र, किताब और सैनिटाइजर

लखनऊ। लखनऊ इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल की तरफ से शनिवार को 'आस्था किरण एनजीओ दुबग्गा में बच्चों को वस्त्र , किताबे थे। इस अवसर अवसर पर प्रबंधक राजेश सिंह चौहान, प्रधानाचार्या मांडवी त्रिपाठी, उप प्रधानाचार्या शगुन सिंह एवं शिक्षकगण मौजूद

सैनिटाइजर मास्क आदि का वितरण किया गया। किताबे, वस्त्र पाकर एनजीओ के बच्चों के चेहरों पर अनोखी मुस्कान और खुशी के मनोभाव बस देखते ही बन रहे रहे। वहीं, विद्यालय की प्रधानाचार्या ने वहां पर किए गए बच्चों के कार्यों की प्रशंसा की और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

छह माह में दुष्कर्म व हत्या के मामलों में सात आरोपितों को फांसी

लखनऊ। दृढ़ इच्छाशक्ति से कुछ भी संभव है। ऐसा ही अभियोजन मुख्यालय ने भी कर दिखाया है। मिशन शक्ति के तहत महिला व बाल अपराध के जघन्य मामलों में पैरवी के कदम बढ़े हैं तो उसके सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं। अभियान के तहत सूबे में छह माह में दुष्कर्म व हत्या के मामलों में सात आरोपितों को फांसी की सजा दिलाने में कामयाबी हासिल

हुई है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि १७ अक्टूबर २०२० से तीन मार्च २०२१ के मध्य महिला व बाल अपराध की संगीन घटनाओं में ४३५ आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा भी दिलाई गई है। अपर मुख्य सचिव गृह व प्रमुख सचिव न्याय एवं विधि परामर्शी प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अभियोजन के कार्यों की समीक्षा की। एडीजी अभियोजन आशुतोष पांडेय ने बताया कि अभियान के तहत छह माह में ३६४ आरोपितों को १० वर्ष से अधिक के कठोर कारावास की सजा तथा ११०८ आरोपितों को १० वर्ष से कम कारावास की सजा दिलाई गई है। १५०३ शोहदों व गुंडों को जिलाबदर भी कराया गया है। करीब १० हजार ऐसे अपराधियों की जमानतें भी खारिज कराई गई हैं। एडीजी ने बताया कि अलीगढ़ के थाना इगलास क्षेत्र में बच्ची को अगवा करने का मामला करीब ११ साल से लंबित था। इस मामले में तीनों दोषियों को उम्रकैद की सजा से दंडित कराया गया है। मुरादाबाद में युवती से दुष्कर्म के बाद उसका गला रेत दिया गया था। गंभीर हालत में पीड़िता ने अंगुली से आरोपी की ओर इशारा किया था। पीडि़ता के मृत्युकालिक कथन के आधार पर अभियोजन ने आरोपी को उम्रकैद की सजा दिलाई है। मासूम से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मामले में आरोपी मुंहबोले चाचा तथा अयोध्या में बेटी से दुष्कर्म के आरोपी पिता को भी आजीवन कारावास की सजा दिलाई गई है। हापुड़, हाथरस, रायबरेली, बांदा, गाजियाबाद व हरदोई में हुई घटनाओं में सात आरोपितों को फांसी की सजा दिलाई गई। एडीजी के अनुसार मीरजापुर में छह साल की मूकबधिर बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना में महज २३ दिनों की सुनवाई में दोषी को आजीवन कारावास से दंडित कराया गया।बाल व महिला अपराध की घटनाओं में बलिया में सबसे अधिक ३२ आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा दिलाई गई। इसके अलावा आगरा में २२ आरोपितों को तथा फतेहपुर में २१ आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा कराई गई।

यूपी में बीएसएनएल की सर्विस बंद करने का झांसा देकर ठगी

लखनऊ। बीएसएनएल के पोस्टपेड और प्रीपेड सिम कार्ड इस्तेमाल करने वालों को ठगी का शिकार बनाया जा रहा है। जालसाज बीएस एन एल उपभोक्ताओं को उनके सिम २४ घंटे में केवाइसी पूरी न होने पर बंद होने का मैसेज विभाग के नाम पर भेज रहे हैं। मैसेज में दिए नंबर पर फोन करने वाले उपभोक्ताओं से जरूरी जानकारी लेकर उनके खाते से रुपये निकाले जा रहे हैं। इंदिरानगर में एक उपभोक्ता का ४२ हजार रुपये इसी फर्जी एसएमएस से निकल गया। उपभोक्ता बीएसएनएल आफिस पहुंचे तो उनको गाजीपुर थाना जाने की सलाह दी गई। शनिवार को बीएसएनएल की ओर से अलर्ट जारी किया गया। बीएसएनएल के नाम पर सीपी– एसएमएस एफएसटी, एडी– वीईआरआइ एनएफ, सीपी– बीएलएमकेएनडी और बीपी– आइटीएलआइएनएन आइडी के जरिए उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर पर एसएमएस आ रहे हैं। इन एसएमएस में सिमकार्ड के लिए जरूरी दस्तावेजों के लंबित होने की फर्जी सूचना देकर २४ घंटे में सेवा बंद करने की बात कही जा रही है। साथ ही तुरंत ६८८३६७५४१४, ६८८३६४५३१२, ८५०६४६०७५२ और ६३३०४३४६२६ पर कॉल करने को कहा जा रहा है। उपभोक्ता जैसे ही इन नंबरों पर फोन कर रहे हैं तो उनसे सिम कार्ड के दस्तावेजों के नाम पर अहम जानकारी लेकर जालसाज खातों में सेंध लगा रहे हैं। बीएसएनएल यूपी पूर्वी के महाप्रबंधक (विक्रय व विपणन) जफर इकबाल ने बताया कि उपभोक्ता किसी भी तरह की केवाइसी के लिए फोन पर अनजान नंबरों से संपर्क न करें। जालसाज बीएसएनएल के नाम पर फर्जी सूचना भेज रहे हैं। बीएसएनएल कभी भी सिम कार्ड के लंबित दस्तावेजों पर एसएमएस कर केवाइसी से जुड़ी जानकारी नहीं मांगता है।

कोरोना पॉजिटिव निकला डेढ़ करोड़ का सोना लाने वाला तस्कर

लखनऊ। दुबई से एक तस्कर करीब डेढ़ करोड़ रुपये के सोने के साथ चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंच गया। यहां जब उसकी एंटीजन कोरोना जांच हुई तो हड़कंप मच गया। यह तस्कर कोरोना पजिटिव निकला। दुबई से शुक्रवार व शनिवार को दो दिनों में कुल पांच तस्कर कस्टम टीम के हत्थे चढ़े। जिनके पास से ३४२२ ग्राम का सोना बरामद हुआ। बरामद सोने की कीमत १.६१ करोड़ रुपये है। इसमें आजमगढ़ का रहने वाला राकेश यादव शनिवार को इंडिगो एयरलाइन के विमान ६ई–८४५७ से दुबई से लखनऊ एयरपोर्ट आया था। यहां जैसे ही वह बाहर निकलने लगा। उसकी जांच कस्टम विभाग की टीम ने की। राकेश यादव ने करीब डेढ़ किलो सोने के पेस्ट को अंडरवियर की प्लास्टिक में छिपा रखा था। कस्टम उपायुक्त निहारिका लाखा ने बताया कि पूछताछ में उसने बताया कि वह बिना सीमा शुल्क दिए ही सोना लेकर आ रहा था। यहां कस्टम की टीम ने सोना को जब्त कर लिया। उससे पूछताछ करने के बाद मुख्या दंडाधिकारी आर्थिक अपराध लखनऊ के समक्ष प्रस्तुत किया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दो दिनों में सभी पांच तस्करों की कोरोना की एंटीजन जांच की। इसमें आजमगढ़ निवासी तस्कर राकेश यादव कोरोना पॉजिटिव मिला। स्वास्थ्य विभाग ने मौके पर ही राकेश के कोरोना पॉजिटिव होने की सूचना कस्टम विभाग को दे दी। कोरोना पॉजिटिव मिले तस्कर के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों का पता लगाया जाएगा। एसीएमओ डॉ. एमके सिंह ने बताया कि कोरोना पॉजिटिव मिले सभी यात्रियों का पता लगाया जा रहा है। वहीं विमान को सैनिटाइज करने के आदेश भी कंपनी को दिए गए हैं। कस्टम विभाग की टीम इस पूरे मामले को दबाए बैठी रही। तस्कर की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जब मामले को उजागर किया तब जाकर कस्टम विभाग में हलचल मची। देर रात सोने को पकडने की कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

UP PCS २०१८ में चयनितों को CM योगी आदित्यनाथ ने बांटे नियुक्ति पत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/ प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) परीक्षा २०१८ में चयनित उपजिलाधिकारियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोक भवन में नियुक्ति पत्र बांटे। नवचयनित अधिकारियों से उन्होंने कहा कि प्रांतीय सेवा से जुड़े अधिकारी हमारी प्रशासनिक व्यवस्था के मेरुदंड हैं। उनका नागरिकों से सीधा जुड़ाव होता है। आम जनता अपने छोटे–बड़े कार्यों के लिए इसी तंत्र पर निर्भर है। दुख से पीड़ित मानवता की सेवा के लिए अपने आप को समर्पित कर सकें यही लक्ष्य आपका होना चाहिए। यूपी पीसीएस परीक्षा २०१८ में चयनित उप जिलाधिकारियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबोधित करते हुए कहा कि गरीब जनता की समस्याओं का निस्तारण कर सामाजिक और आर्थिक न्याय के लक्ष्य को प्राप्त करने में आपकी बड़ी भूमिका होती है। जितना बेहतर आपका प्रशिक्षण होगा और उसके बाद जितने मनोयोग से आप अपनी शुरुआती सेवा के चार–पांच वर्षों में काम करेंगे, आपकी सेवा की नींव उतनी मजबूत होगी। नींव मजबूत होती है तो उस पर आकार लेने वाला भवन भी मजबूत होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यही वह समय होता है जब आप तय करते हैं कि समर्पित भाव से जनसेवा कर आप यश बटोरेंगे या पतन की ओर जाएंगे। यदि कोई अधिकारी इस नींव को शुरुआती चार से पांच वर्षों में मजबूती देता है तो अगले २५– ३० वर्ष कामयाबी को गले लगाते हुए आगे बढ़ता है। जब शुरुआती पांच वर्षों का

कार्यकाल ही विवादों में घिर जाता है या नकारात्मकता की ओर चला जाता है तो आगे के दिन संकट और मुंह छुपाने के होते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि फील्ड में आपका न कोई अपना होगा और न पराया। क्षेत्र की जनता को परिवार मानकर बिना भेदभाव के काम करिए। उन्होंने कहा कि लोगों की ६० फीसद समस्याएं राजस्व से जुड़ी होती हैं। यदि हमारे एसडीएम और अन्य राजस्व कर्मी गरीबों की पीड़ा को सुनकर समस्याओ का समयबद्ध निस्तारण करें तो किसी को मेरे पास आने की जरूरत होती क्या? व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर से सांसद रहते हुए उनकी स्वयं की वरासत की कार्रवाई दो वर्ष तक पूरी नहीं हो पाई थी। तब उन्हें डीएम से कहना पड़ा था। उन्होंने कहा कि जब मेरे साथ यह हाल था तो आम आदमी का क्या होता होगा? प्रशिक्षु अधिकारियों से उन्होंने कहा कि यह आपको तय करना है कि एक सामान्य व्यक्ति की दुआ लेकर आगे बढ़ना है या उसके अभिशाप से अभिशप्त होकर अपने करियर को अंधेरे में रखना है। कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा और वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने भी संबोधित किया है।

क्या फारुक अब्दुल्ला देशद्रोही हैं ?

वेद प्रताप वैदिक

सर्वोच्च न्यायालय ने डॉ. फारुक अब्दुल्ला के मामले में जो फैसला दिया है, वह देश में बोलने की आजादी को बुलंद करेगा। यदि किसी व्यक्ति को किसी नेता या साधारण आदमी की किसी बात पर आपत्ति हो तो वह दंड संहिता की धारा १२४ए का सहारा लेकर उस पर देशद्रोह का मुकदमा चला सकता है। ऐसा ही मुकदमा फारुक अब्दुल्ला पर दो लोगों ने चला दिया। उनके वकील ने फारुक पर आरोप लगाया कि उन्होंने धारा ३७० को वापस लाने के लिए चीन और पाकिस्तान की मदद लेने की बात कही है और भारतीय नेताओं को ललकारा है कि क्या कश्मीर तुम्हारे बाप का है ? याचिकाकर्ताओं का वकील अदालत के सामने फारुक के बयान को ज्यों का त्यों पेश नहीं कर सका लेकिन उसने अपने तर्क का आधार बनाया एक भाजपा–प्रवक्ता के टीवी पर दिए

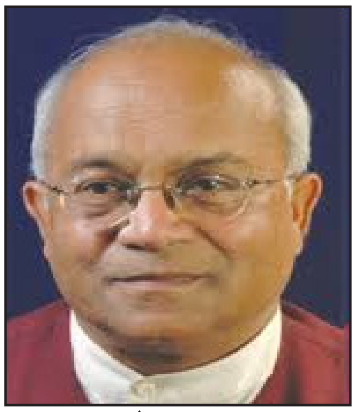

गए बयान को ! फारुक अब्दुल्ला ने धारा ३७० को हटाने का कड़ा विरोध जरुर किया था लेकिन उन्होंने और उनकी पार्टी ने उन पर लगे आरोप को निराधार बताया। अदालत ने दो–टूक शब्दों में कहा है कि यदि कोई व्यक्ति सरकार के विरुद्ध कुछ बोलता है तो उसे देशद्रोह की संज्ञा देना अनुचित है। इसी तरह के मामलों में कंगना राणावत और दिशा रवि

नामक दो महिलाओं को भी फंसा दिया गया था। यह ठीक है कि आप फारुक अब्दुल्ला, राहुल गांधी या दिशा रवि जैसे लोगों के कथनों से बिल्कुल असहमत हों और वे सचमुच आक्रामक और निराधार भी हों तो भी उन्हें आप देशद्रोह की संज्ञा कैसे दे सकते हैं ? उनके अटपटे बयानों से भारत का बाल भी बांका नहीं होता है बल्कि वे अपनी छवि बिगाड़ लेते हैं। जहां तक फारुक अब्दुल्ला का सवाल है, उनकी भारत–भक्ति पर संदेह करना बिल्कुल अनुचित है। वे बहुत भावुक व्यक्ति हैं। मैं उनके पिता शेख अब्दुल्लाजी को भी जानता रहा हूं और उनको भी ! देश में कई मुसलमान कवि रामभक्त और कृष्णभक्त हुए हैं लेकिन आपने क्या कभी किसी मुसलमान नेता को रामभजन गाते हुए सुना है ? ऐसे फारुक अब्दुल्ला पर देशद्रोह का आरोप लगाना और उन्हें संसद से निकालने की मांग करना बचकाना गुस्सा ही माना जाएगा। अब जरूरी यह है कि दंड संहिता की धारा १२४ए का दुरुपयोग तत्काल बंद हो। १९७४ के पहले इस अपराध को सिर्फ असंज्ञेय (नॉनेकाग्जिनेबल) माना जाता था याने सिर्फ सरकार ही मुकदमा चला सकती थी, वह भी खोजबीन और प्रमाण जुटाने के बाद और हिंसा होने की आशंका हो तब ही। यह संशोधन अब जरूरी है। फारुक अब्दुल्ला पर यह मुकदमा किसी रजत शर्मा ने चलाया है। ऐसे फर्जी मामलों में २०१६ में ६६ लोग गिरफ्तार हुए लेकिन उनमें से सिर्फ २ लोगों को सजा हुई। इसीलिए सर्वोच्च न्यायालय ने इन दो मुकदमाबाजों पर ५० हजार रु. का जुर्माना ठोक दिया है।

अद्भुत चीनी कटोराः जो नीलाम होगा करोड़ो में

अमरेन्द्र सहाय अमर

कभी कभी लोग अपनी किस्मत की बुलंदी लेकर पैदा होते है . और किस्मत की यह बुलंदी उन्हें रातो रात किस्मत की धनी बना देती है . और वह शोहरत और ऐश्वर्य के शिखर पर पंहुच जाता है. वॉशिंगटन. अमेरिका के कनेक्टिकट शहर में रहने वाले एक व्यक्ति की किस्मत रातों–रात चमक गई. दरअसल उसने चौराहे पर लगी एक सेल से सिर्फ ३५ डॉलर यानि लगभग २५५० रुपये में चीनी मिट्टी का एक कटोरा खरीदा था, लेकिन उसे क्या पता था कि यह वाकई में उसके लिए जैकपट है. व्यक्ति ने जिस चीनी मिट्टी के बर्तन को सेल में खरीदा था वह वास्तव में चीन की खास कलोंति निकली. इसकी कीमत करीब पांच लाख डॉलर यानि लगभग ३,६२,८७,३०३ रुपये तक हो सकती है. सफेद रंग के इस कटोरे पर नीले रंग के फूलों को तराशा गया है. इसके अतिरिक्त इसमें कुछ अन्य डिजाइन भी बने

हैं जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाते नजर आते हैं. अब इस कलाकृति की नीलामी होने जा रही है. कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक २०२० में न्यू हैवेन इलाके में उस कटोरे को जिस व्यक्ति ने देखा था उसे पुरानी कलोंतियों में काफी दिलचस्पी है. यही वजह है कि इस खूबसूरत सी दिखने वाली कलाकृति को उसने खरीदा था. कहा जाता है कि यह कटोरा बेहद दुर्लभ है. इस तरह के कुल ७ कटोरे ही बने हैं. उसी में का एक कटोरा व्यक्ति ने चौराहे से सेल में खरीदा था. १७ मार्च को न्यूयर्क में अब इसे नीलाम किया जाएगा. जिस व्यक्ति ने इस कटोरे को खरीदा था, उसने इसकी जानकारी सोथेबे को ईमेल कर जरिए दी थी. बता दें कि जिस किसी के पास भी कोई खास किस्म की वस्तु होती है वो उसकी जानकारी इससे साझा करते हैं. उसी तरह से व्यक्ति ने जब उन्हें उस चीनी मिट्टी के बने कटोरे के बारे में बताया, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा. सोथेबे के वाइस प्रेसिडेंट मैकअटीर ने बताया कि कटोरे की पेंटिंग, आकार और नीले रंग को देखकर पता चलता है कि यह १५ वीं सदी के आस पास चीनी मिट्टी से निर्मित है. उन्होंने कहा, बाद में खुद मैंने इसकी जांच की और पाया कि मिंग काल के इस कटोरे को १४०० ईस्वी के आसपास की है हालांकि ये कटोरा कितना पुराना है इसका कोई वैज्ञानिक परीक्षण नहीं किया गया है, केवल प्रशिक्षित लोगों और विशेषज्ञों ने इसके १५ वीं शताब्दी में बने होने अनुमान लगाया है.।

पीएम मोदी ने व्यापार में कम सरकारी हस्तक्षेप पर दिया जोर

नई दिल्ली। सरकार के कम हस्तक्षेप और कारोबार करने में आसानी की जरूरत पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि केंद्र का मानना है कि

व्यवसायों में सरकार का हस्तक्षेप समाधान लाने के बजाय और अधिक समस्याएं पैदा करता है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के एक वेबिनार में मोदी ने कहा कि व्यापार करने में आसानी के अपने दृष्टिकोण के साथ सरकार स्व–विनियमन, स्व–सत्यापन और स्व–प्रमाणन पर जोर दे रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विनिर्माण क्षेत्र के संदर्भ में सरकार की नीतियां और रणनीति दोनों स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा कि इसका मकसद न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन है। मोदी ने यह भी कहा कि विनिर्माण क्षेत्र को उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिए और शून्य प्रभाव, शून्य दोष के आदर्श वाक्य को अपनाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाएं केवल उन्हीं क्षेत्रों का समर्थन नहीं करती हैं, बल्कि उन क्षेत्रों से संबंधित संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में भी मदद करती हैं। उन्होंने कहा कि उन्नत सेल बैटरी, सौर पीवी मड्यूल और विशेष इस्पात को प्रदान किए गए लाभ से देश के ऊर्जा क्षेत्र का आधुनिकीकरण होगा और उसी तरह कपड़ा और एवं प्रसंस्करण क्षेत्र को दिए गए लाभ का प्रतिफल कृषि क्षेत्र पर भी पड़ेगा। मोदी का मानना है कि अटो और फार्मा सेक्टर के लिए पीएलआई योजनाएं अटो पार्ट्स, मेडिकल उपकरण और दवाओं के कच्चे माल के लिए आयात निर्भरता को कम कर देंगी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पीएलआई योजनाओं के तहत क्षेत्रों में कार्यबल अगले पांच वर्षों में दोगुना हो सकता है। उन्होंने कहा कि बेहतर विनिर्माण क्षमता भी देश में रोजगार सृजन में सुधार करती है।

भारत की तरफ से फिर खेलते नजर आएंगे इरफान और यूसुफ पठान

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के दो दिग्गज आलराउंडर भाई की जोड़ी इरफान पठान और यूसुफ पठान संन्यास के बाद फिर साथ खेलते नजर आ सकते हैं। इरफान ने बड़े भाई यूसुफ के साथ सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की। इसमें दोनों नई जर्सी में नजर आए जो रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज की भारतीय टीम की है। यूसुफ ने हाल ही में संन्यास की घोषणा की है। भारत के लिए लंबे समय तक खेलने के बाद पठान भाईयों ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा। इरफान तेज गेंदबाजी आलराउंडर के तौर पर भारत की तरफ से खेला जबकि यूसुफ ने स्पिन आलराउंडर की भूमिका निभाई। अब दोनों ही खिलाड़ी संन्यास के बाद साथ खेलने के लिए तैयार हैं। इरफान ने बड़े भाई के साथ ट्विटर पर दो तस्वीर साझा की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, रिटायरमेंट के बाद की तस्वीर। यूसुफ ने २९ फरवरी को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। भारत की तरफ से इस खिलाड़ी ने ५७ वनडे और २२ टी२० मैच खेला। २००७ टी२० विश्व कप और २०११ वनडे विश्व कप विजेता टीम में यूसुफ शामिल थे। इरफान ने ४ जनवरी २०२० को अपने संन्यास की घोषणा की थी। भारत के लिए इस खिलाड़ी ने २९ टेस्ट, १२० वनडे और २४ टी२० इंटरनेशनल मैच खेले। ५ मार्च शुक्रवार से भारत में रोड सेफ्टी

वर्ल्ड सीरीज के नए सीजन की शुरुआत है। ६ देशों की इस सीरीज में भारत, बंगलादेश, श्रीलंका, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। भारत पहले मैच में बांग्लादेश के साथ खेलेगा। इसके बाद ९ और १३ मार्च को भारत को बाकी की चार टीमों से खेलना है। १७ और १९ मार्च को सीरीज का सेमीफाइनल मैच खेला जाएगा। २१ मार्च फाइनल मुकाबले के साथ इस साल की सीरीज का समापन होगा।

रिषभ पंत ने दूसरी बार छक्के से अपना शतक पूरा किया

नई दिल्ली। भारतीय विकेट कीपर रिषभ पंत इस वक्त शानदार फार्म में चल रहे हैं। अपने इसी फार्म को जारी रखते हुए उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में शानदार शतक जमाया। मुश्किल में घिरी भारतीय टीम के लिए पहली पारी में पंत ने १०१ रन बनाए और टीम को बढ़त दिलाई। टेस्ट करियर में इस खिलाड़ी ने दूसरी बार छक्के से अपना शतक पूरा किया और वो कमाल कर दिखाया जो पिछले ५७ साल में किसी भारतीय विकेटकीपर ने नहीं किया था। रिषभ पंत ने अहमदाबाद टेस्ट मैच के दूसरे दिन शानदार पारी खेलते हुए भारत को मुश्किल से निकाला। ८० रन पर भारत ने अपना चौथा विकेट गंवाया था और पंत ने मैदान पर कदम रखा। उन्होंने रोहित शर्मा के साथ पहले पारी संभाली और फिर आक्रामक शाट लगाते हुए शतक पूरा किया। वाशिंग्टन सुंदर के साथ

पंत ने शतकीय साझेदारी निभाते हुए टीम के बढ़त दिलाई। ११८ गेंद पर १३ चौके और २ छक्के के साथ १०१ रन की पारी खेली। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में दो शतक जमाने के मामले में रिषभ पंत ने पूर्व भारतीय दिग्गज बुधी कुंदरन की बराबरी कर ली। साल १९६४ में ऐसा हुआ था जब किसी भारतीय विकेटकीपर ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में दो शतक बनाए थे। पथ ने ५७ साल बाद ऐसा कर दिखाया। कमाल की बात यह रही कि अपने टेस्ट करियर का पहला शतक भी इस बल्लेबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ ही लगाया था। रिषभ पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ २०१८ में आदिल रशीद की गेंद पर छक्का लगाते हुए अपना पहला शतक बनाया था। अब साल २०२१ में इंग्लैंड के कप्तान जो रूट की गेंद पर उन्होंने छक्का लगाते हुए शतक पूरा किया। यह घर पर खेलते हुए पंत का पहला टेस्ट शतक है। इससे पहले वह तीन बार नर्वस ९० के शिकार हुए थे।

आईसीआईसीआई बैंक ने होम लोन की ब्याज दर घटाकर ६.७० फीसदी की

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक ने शुक्रवार को होम लोन की ब्याज दर ६.७० फीसदी तक घटाने की घोषणा की। बैंक ने यहां बयान जारी कर कहा कि संशोधित ब्याज दर बैंक द्वारा १० वर्षों में सबसे कम है और नयी ब्याज दर पांच मार्च से ही प्रभावी होगी। ग्राहक इस ब्याज दरका लाभ ७५ लाख तक के होम लोन के लिए उठा सकते हैं जबकि ७५ लाख रुपये से अधिक के ऋण के लिए ब्याज दरों को ६.७५ फीसदी पर आंका जाता है। ये संशोधित दरें ३१ मार्च तक उपलब्ध रहेंगी। आईसीआईसीआई सीआई ने कहा कि जो बैंक के ग्राहक नहीं है वे लोग होम बायर्स बैंक की वेबसाइट और मोबाइल बैंकिंग प्लेटफॉर्म 'आईमोबाइल पे' के माध्यम से परेशानी मुक्त तरीके से होम लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं या

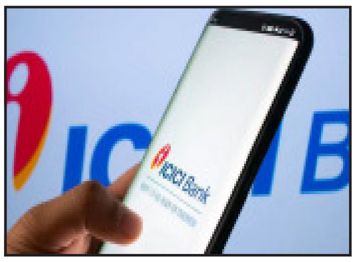

फिर वे अपने निकटतम आईसीआई सीआई बैंक शाखा में एक सुविधाजनक डिजिटल अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा ग्राहक अपने ऋण का डिजिटल रूप से तुरंत अनुमोदन भी प्राप्त कर सकते हैं। आईसीआईसीआई बैंक के सिक्योर्ड एसेट्स के प्रमुख रवि नारायणन ने कहा, "हम पिछले कुछ महीनों से ऐसे उपभोक्ताओं की ओर से मांग में फिर से उछाल देख रहे हैं, जो अपने स्वयं के उपभोग के लिए घर खरीदना चाहते हैं। हमारा मानना है कि प्रचलित निम्न ब्याज दरों को देखते हुए किसी व्यक्ति के लिए अपने सपनों के घर को खरीदने के लिए यह एक उपयुक्त समय है। किसी भी बैंक के ग्राहकों के लिए हमारे साथ होम लोन लेना बहुत सुविधाजनक होगा। हमारी पूरी तरह से डिजिटलींत होम लोन प्रक्रियाएं हैं, जिसमें तत्काल मंजूरी भी शामिल हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार दूसरे दिन गिरावट

मुंबई। वैश्विक स्तर से मिले कमजोर संकेतों का असर घरेलू स्तर पर भी पड़ा और शेयर बाजार मेंआज लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई जिससे सेंसेक्स ०.८७ प्रतिशत तथा निफ्टी ०.९५ प्रतिशत की गिरावट पर बंद हुए। दिग्गज कंपनियों के साथ ही मझोली और छोटी कंपनियों में बिकवाली देखी गई जिससे बीएसई का मिडकैप १.८९ प्रतिशत घटकर २०,५८७.८० अंक पर और स्मलकैप १.५० प्रतिशत की कमी के साथ २१,३०१.५३ अंक पर बंद हुआ। बीएसई में आज कुल ३१२९

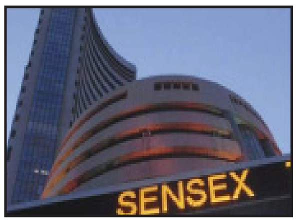

कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमे से केवल १०५७ कंपनियों के शेयर हरे निशान में और १९२९ के लाल निशान में बंद हुये जबकि शेष १४३ कंपनियों के शेयर दिनभर के उतार–चढ़ाव के बाद अंततरू अपरिवर्तित रहे। बीएसई का सेंसेक्स आज ३२९ अंक की गिरावट लेकर ५०,५१७.३६ अंक पर खुला और दोपहर बाद ५०,८८६.१९ अंक के उच्चतम स्तर तक पहुंचा। अंत में पिछले दिवस के ५०८४६.०८ अंक के मुकाबले ०.८७ प्रतिशत घटकर ५०.४०५.३२ अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी करीब १०३ अंक की गिरावट के साथ १४,९७८ अंक पर खुला। इसका दिवस का उच्चतम स्तर हालांकि १५ हजार के पार पहुंच कर १५,०९२.३५ अंक और न्यूनतम स्तर १४,८६२.१० अंक रहा। अंत में यह गत दिवस की तुलना में ०.९५ प्रतिशत अंक की कमी के साथ १४.९३८.१० अंक पर बंद हुआ। निफ्टी की ५० में से १२ कंपनियों के शेयर चढ़े और ३८ सात लाल निशान में रहे। बीएसई में करीब आधे से अधिक समूह गिरावट में रहे जिसमें घातु में सर्वाधिक २.१९ प्रतिशत तथा ऊर्जा १.८० और टेलीकॉम १.७७ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक स्तर पर यूरोप और एशिया के मुख्य सूचकांकों में भी गिरावट दर्ज की गई। ब्रिटेन के एफटीएसई को छोड़कर सभी सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई। एशिया के हांगकांग के हैंगसैंग में सबसे अधिक ०.४७ प्रतिशत, जापान के निक्की में ०.२३ प्रतिशत तथा चीन के शंघाई कम्पोजिट में ०.०४ प्रतिशत की गिरावट देखी गई। यूरोप के ब्रिटेन के एफटीएसई में ०.२३ प्रतिशत की वृद्धि जबकि जर्मनी के डैक्स में ०.६४ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी।

जयंत, प्रियंका के बाद अखिलेश किसान पंचायत से बनाएंगे भाजपा के खिलाफ माहौल

लखनऊ। तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसान आंदोलन को लेकर राजनीतिक दलों ने महापंचायतें शुरू की है। राष्ट्रीय लोकदल के उपाध्यक्ष जयंत चौधरी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, केजरीवाल के बाद अब सपा मुखिया अखिलेश यादव किसान पंचायत के जरिए पश्चिमी यूपी की सियासत को परखने और भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने मैदान में उतरने जा रहे हैं। इसकी शुरूआत आज से अलीगढ़ के टप्पल से होने जा रही है। यहां पर किसान महापंचायत हो रही है। किसी समय किसान आंदोलन के लिए चर्चित रहे टप्पल में आज पंचायत करेंगे। इसके बाद किसान आंदोलन का केंद्र रहे बाजना मथुरा में वह १६ मार्च को पंचायत करेंगे। इससे पहले वह १७–१८ मार्च को मथुरा के पार्टी शिविर में भाग लेंगे। इसके अलावा वह मेरठ के मवाना और कासगंज में जल्द किसानों की

पंचायत करेंगे। किसानों के पक्ष में टप्पल में हो रही पहली रैली के माध्यम से वह किसानों को साधने का प्रयास करेंगे। ज्ञात हो कि पश्चिमी यूपी में राजनीति की दशा और दिशा जाट और मुस्लिम तय करते हैं। किसान आंदोलन के माध्यम से शून्य पड़ी रालोद में फिर से जान आयी है। चौधरी अजीत और उनके बेटे जयंत मिलकर खोया जनाधार वापस लाने के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं। वह पश्चिमी यूपी में तमाम जिले में पंचायत कर जाटों को अपने पाले में लाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं प्रियंका गांधी भी सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर के बाद मेरठ में भी पंचायत करने जा रही है। पंचायत में आ रही भीड़ से वह काफी गदगद हैं और उनके हौसले बुलंद हैं। उत्तर प्रदेश में जमीन तलाश रही आम आदमी पार्टी के मुखिया केजरीवाल मेरठ में पंचायत कर अपने समीकरण साधते नजर आए हैं। शायद इसी कारण पश्चिमी यूपी में राजनीतिक दलों की सक्रियता को देखते हुए अखिलेश ने भी किसानों के पक्ष में पंचायत करने की रणनीति तैयार की है। वह इसके माध्यम से २०२२ का रास्ता तैयार करने के फिराक में लगे हैं। सपा के एमएलसी सुनील साजन का कहना है कि समाजवादी पहले ही दिन से तीन नए काले कानूनों के खिलाफ है। वह किसानों के साथ खड़ी नजर आ रही है। पंचायत में श्रेय लेने जैसी कोई बात नहीं है। सपा का अब कार्यक्रम लगातार चलेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष रैली और पंचायत के माध्यम से कानूनों का विरोध करेंगे।

अरविंद अकेला कल्लू की फिल्म 'प्यार तो होना ही था' का हुआ ग्रैंड प्रीमियर

मुंबई। भोजपुरी अभिनेता अरविंद अकेला कल्लू की फिल्म 'प्यार तो होना ही था' का गैंड प्रीमियर यहां किया गया। निर्देशक प्रमोद शास्त्री और अरविंद अकेला कल्लू की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'प्यार तो होना ही था' का ग्रैंड प्रीमियर मुंबई में किया फिल्मों से दूर थे। हम अपील करेंगे कि आप हमारी फिल्म जरूर देखें। कोविड की वजह से सावधानी तो बरते हीं, लेकिन प्रयास करें कि आप फिल्म सिनेमाघरों में ही देखें। क्योंकि फिल्म का मजा भी सिनेमाघरों में ही आता है और यह हमें अच्छे

गया। प्रमोद शास्त्री ने बताया कि भोजपुरी सिनेमा के कई जानकार, बुद्धिजीवी और पत्रकारों ने हमारी फिल्म देखी है। सबों को फिल्म पसन्द आयी है। यह हमारे लिए बेहद सकारात्मक रुझान है। ऐसे में हमें लगता है कि फिल्म को देशभर दर्शकों का प्यार और आशीर्वाद मिलेगा। हमने इस फिल्म से उन दर्शकों को भी सिनेमाघरों में लाने की कोशिश की है, जो भोजपुरी एवं सार्थक फिल्में बनाने के लिए प्रेरित भी करता है। गौरतलब है कि ए.सी.एच. एंटरटेनमेंट प्रा.लि. बैनर तले निर्मित फिल्म 'प्यार तो होना ही था' मुम्बई और गुजरात में रिलीज हो चुकी है, लेकिन बिहार और झारखंड के सिनेमाघरों में यह फिल्म्म अगले हफ्ते यानी १२ मार्च को दस्तक देगी। १२ मार्च को ही इस फिल्म को यूपी, दिल्ली और पंजाब में भी रिलीज किया जायेगा।

राखी सावंत की बायोपिक बनाना चाहते हैं जावेद अख्तर

मुंबई। बॉलीवुड के जाने–माने गीतकार जावेद अख्तर, राखी सावंत की बायोपिक बनाना चाहते हैं। राखी सावंत ने हाल ही में बिग बॉस १४ में शिरकत कर दर्शकों को एंटरटेन किया है। राखी ने हाल ही में कहा था कि जावेद अख्तर उनपर फिल्म बनाना चाहते थे। जावेद अख्तर ने कहा है कि राखी सावंत सही कह रही हैं। ४–५ साल पहले हम एक फ्लाइट में मिले थे और उन्होंने मुझे अपने बचपन के बारे में बताया था। मैंने उनसे कहा था कि एक दिन मैं उनकी जिंदगी पर आधारित स्क्रिप्ट लिखूंगा। राखी ने कहा कि कोरोना महामारी के पहले जावेद अख्तर ने उनको फोन किया था और उन्होंने कहा था कि वो राखी पर बायोपिक लिखने जा रहे हैं। फोन पर उन्होंने कहा था कि वह मेरी बायोपिक लिखना चाहते थे और उनसे मिलने के लिए कहा था, लेकिन मैं उनसे मिलने नहीं जा पाई। वह चाहते थे कि मुझ पर एक बायोपिक बनाई जाए, लेकिन मेरी बायोपिक बहुत कंट्रोवर्शियल होगी और मुझे नहीं पता कि देश के लोग इसे देखना चाहेंगे या नहीं। राखी सावंत ने

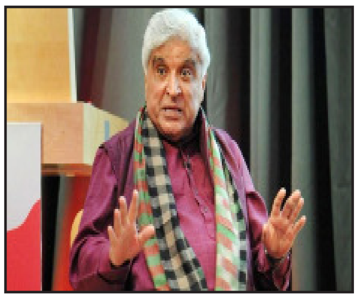

कहा, मुझे नहीं पता कि वे मुझे कास्ट करेंगे या आलिया भाट्ट या प्रियंका चोपड़ा को। मैं खुद से प्यार करती हूं, लेकिन यदि मैं अपनी बायोपिक नहीं करती हूं, तो आलिया के अलावा दीपिका पादुकोण करीना कपूर खान जैसी बेहतरीन अभिनेत्री भी इसे कर सकती हैं, क्योंकि सभी नंबर वन अभिनेत्री है और मेरी पसंदीदा हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

वैराइटी इंटरनेशनल वीमेन इम्पैक्ट रिपोर्ट 2021 में दीपिका एकमात्र भारतीय

मुंबई। दीपिका पादुकोण के लिए उत्साह और शानदार खुशी है, क्योंकि सिनेमा में उनके योगदान के लिए और २०२१ की विविधता अंतर्राष्ट्रीय महिला प्रभाव रिपोर्ट में परोपकारी प्रयासों में भाग लेने के लिए अभिनेत्री की सराहना की गयी है। केवल दो भारतीय महिलाओं में से एक यह अभिनेत्री है, जिन्होंने इस सूची की शोभा बढ़ाई है। इन सालों में, दीपिका ने अपनी आवाज सुनी है, जिसने एक वैश्विक प्रभाव पैदा किया है, चाहे वह उनकी फिल्मों के साथ हो या उनकी नींव 'लाइव लाफ लव' के साथ हो, जिसके माध्यम से उन्होंने २०१५ में मानसिक स्वास्थ्य के लिये संवाद शुरू किया। 'पद्मावत' और 'छपाक' जैसी फिल्मों में उनके काम के लिए स्वीकार किया गया, जो सामाजिक सोच में बदलाव लाता हैं। अभिनेत्री का परिचय देते हुए,

वैराइटी ने लिखा, बॉलीवुड स्टार पादुकोण ने एक एसिड हमले के सर्वायवर के बारे में एक सामाजिक नाट्य 'छपाक' का निर्माण और अभिनय किया, जो पिछले साल की शुरूआत में प्रदर्शित हुआ था। यह बदलाव के दौर २०१८ की ब्लकबस्टर फिल्म 'पद्मावत' से शुरू हुआ था, जिसमें वह रानी पद्मावती की भूमिका में हैं। अपनी यात्रा के बारे में प्रकाशन से बात करते हुए, उन्होने कहा, सौभाग्य से, मुझे कभी किसी फिल्म के बजट के आधार पर या विभिन्न अन्य कारणों से निर्णय नहीं लेना पड़ा। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि मैं अपने जीवन में भावनात्मक रूप से कहां हूं। मेरी बहुत सारी पसंद उसी से तय होती हैं। इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा और सम्मानित अभिनेताओं में से एक होने के नाते, दीपिका ने हमेशा किसी न किसी तरह से देश को गौरवान्वित किया है। चाहे वह साटरेरिअल, परोपकारी या फिल्म हो, अभिनेत्री के कदम को सबसे अधिक पसंदीदा माना जाता है। अपने पदार्पण के बाद पिछले १४ वर्षों में, दीपिका वैश्विक रूप से सबसे अधिक चहीता चहरा बनकर उभरी हैं। ऐसी वैश्विक सूची की विशेषता से, डफ और फेल्प्स की रिपोर्ट के अनुसार सबसे मूल्यवान अभिनेत्री बनने के लिए, दीपिका ने अपने काम को हमेशा एक ऊंचाई पर रखा है। रिपोर्ट ने दुनिया भर की ५० महिलाओं को उनके संबंधित क्षेत्रों में उनके प्रभाव के लिए सम्मानित किया। यह मान्यता इस समय के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को चिह्नित करती है जो ०८ मार्च को है।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक